

उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान

उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान
मेरी मैया कभी न भूले भैया करना भगत का काम
उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान

मैया जी का काम यही है काम भगत का करना जी
इसको चिंता इक यही है भगतो को खुश रखना जी
मेरा बेटा मौज उड़ाये है इसका यही अरमान
उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान

जिस दिन से मैया की घर में इक तस्वीर लगाई जी
उस दिन से समजो हमने अपनी तकदीर जगाई है,
उस दिन से जुटा रही है मेरी खुशियों का समान
उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान

अगर नहीं मिलता मैया से ये जीवन बेकार था
लगता था मेरी किस्मत को मैया का इन्तजार था,
मेरे जैसा नहीं भड भागी मेरी माँ से हुई पहचान
उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान

वनवारी माँ के बारे में इतना ही केहना काफी,
माँ का हाथ रहे सिर पर तो कैसे काम रहे बाकी,
मेरी कारे आत्मा दिन भर मेरी मैया का गुणगान
उलटी गंगा ना बहे झुके न आसमान

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18216/title/ulti-ganga-na-bahe-jhuke-na-asmaan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |